International Research Journal of Human Resource and Social Sciences
ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)
Impact Factor 7.924 Volume 11, Issue 09, Sep 2024
Website- www.aarf.asia, Email : editoraarf@gmail.com

जयपुर जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता एवं स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग के मध्य संबंध का अध्ययन

रेखा पंवार

शोधार्थी, शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

डॉ. श्रद्धा सिंह चौहान, सहायक आचार्य

शोध निर्देशिका, श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, सी.टी.ई.केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर (राज.)

सारांश

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा–11) के विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता एवं स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग के मध्य संबंध का अध्ययन करता है। अध्ययन में जयपुर जिले के कक्षा–11 में अध्ययनरत् 160 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया गया है। न्यादर्श के चयन हेतु यादृच्छिक विधि का प्रयोग किया गया है। शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। स्मार्ट मोबाइल फोन से संबंधित आंकड़ों के संग्रहण हेतु ''डॉ. विजय श्री एवं डॉ. अंसारी'' द्वारा निर्मित स्मार्ट फोन की लत् मापनी का उपयोग किया गया है तथा भावनात्मक परिपक्वता के मापन हेतु ''तारा सभापति'' द्वारा निर्मित मापनी काम में ली गई है। आंकड़ों का विश्लेषण माध्य एवं सहसंबंध गुणांक के द्वारा किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भावनात्मक

© Association of Academic Researchers and Faculties (AARF)
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

परिपक्वता तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग के मध्य सार्थक ऋणात्मक सहसंबंध है।

मुख्य शब्द :भावनात्मक परिपक्वता, स्मार्ट मोबाइल फोन, उच्च माध्यमिक स्तर।

प्रस्तावना

वर्तमान समय में सूचना एवं संचार तकनीकी का एक सर्वसुलभ एवं सर्वव्यापक माध्यम है– मोबाइल टेक्नोलॉजी। वर्तमान समय में प्रचलित मोबाइल फोन अब केवल बात करने और संदेश भेजने तक ही सीमित नहीं है बल्कि लोगों के हाथों में नए रूप में पहुंच चुका है। मोबाइल फोन अब स्मार्ट मोबाइल फोन में बदल चुका है। स्मार्ट मोबाइल फोन के द्वारा अब वे सारे कार्य कभी भी और कहीं भी किये जा सकते हैं, जिसके लिये पहले घर में डेस्कटॉप के सामने घंटों बैठना पड़ता था। स्मार्ट मोबाइल फोन आधुनिक समय में सभी वर्गों में मुख्य रूप से प्रचलित है, मुख्यतया यह विद्यार्थी वर्ग में अधिक लोकप्रिय हो रहा है। आजकल का विद्यार्थी वर्ग स्मार्ट मोबाइल फोन का आवश्यक रूप से व अतिश्य उपयोग कर रहे हैं। स्मार्ट मोबाइल का अत्यधिक उपयोग विद्यार्थियों के सामाजिक, शारीरिक एवं भावनात्मक पक्षों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। स्मार्ट फोन पर अत्यधिक समय बिताने के कारण विद्यार्थी आभासी दुनिया को ही वास्तविक दुनिया मानने लगा है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स, कमेंट्स, फॉलोअर्स इत्यादि के प्रति अति संवेदनशील होने लगता है तथा छोटी–छोटी बातों पर चिंतित हो जाता है व अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख पाता है। जिससे विद्यार्थी की भावनात्मक परिपक्वता प्रभावित होती है। अतः यह आवश्यक है कि विद्यार्थी स्मार्ट मोबाइल फोन का उपयोग आवश्यकता होने पर ही व सीमित रूप में करे जिससे इससे होने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सके।

साहित्यावलोकन

- सिंह, सरिता तथा डॉ. शैलबाला (2024) ने ''उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता पर सोशल मीडिया के प्रभाव'' का शोध कार्य करके निष्कर्ष निकाला कि उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की भावनात्मक परिपक्वता पर सोशल मीडिया का सकारात्मक प्रभाव पाया जाता है।
- अग्रसेन (2020) ने "ए स्टडी ऑफ द इमोशनल मैच्योरिटी एण्ड पर्सनेलिटी ऑफ स्टेडेन्ट्स यूजिंग इण्टरनेट इन सीनियर सैकण्डरी स्कूल्स" पर शोध कार्य करके निष्कर्ष निकाला किराजकीय व गैर राजकीय उच्च माध्यमिक स्तर के इण्टरनेट उपयोगकर्ता विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता में सार्थक अन्तर पाया गया।
- शफीक, निखत यास्मीन (2019) ने "कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ इमोशनल मैच्योरिटी ऑफ सैकण्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स इन रिलेशन टू अकेडमिक अचीवमेण्ट" पर शोध कार्य करके निष्कर्ष निकाला किविद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा भावनात्मक परिपक्वता में सकारात्मक सहसंबंध पाया जाता है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग के मध्य संबंध का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनायें

1. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं पाया जाता है।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों की भावनात्मक परिपक्वता तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं पाया जाता है।
3. उच्च माध्यमिक स्तर के छात्राओं की भावनात्मक परिपक्वता तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं पाया जाता है।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में जयपुर जिले के उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा–11) के 160 विद्यार्थियों (80 छात्र व 80 छात्राएँ) को न्यादर्श के रूप में चुना गया है। न्यादर्श चयन की यादृच्छिक विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के संग्रहण हेतु निम्न मानकीकृत उपकरणों का प्रयोग किया है–

- स्मार्ट फोन की लत् मापनी – डॉ. विजय श्री एवं डॉ. अंसारी द्वारा निर्मित
- भावनात्मक परिपक्वता मापनी –तारा सभापति द्वारा निर्मित

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में आंकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण हेतु माध्य एवं सहसंबंध गुणांक के द्वारा किया गया है।

प्रदत्त विश्लेषण, व्याख्या एवं परिणाम

संपूर्ण न्यादर्श से प्राप्त आंकड़ों का सारणीयन, व्याख्या एवं परिणाम निम्नलिखित है–

सारणी : 1

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया जाता।

समूह	चर	समूह संख्या	मध्यमान	सहसंबंध गुणांक
	भावनात्मक परिपक्वता	160	82.45	

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी	स्मार्ट मोबाइल फोन का उपयोग	160	79.97	–0.11

सारणी 1 के अवलोकन से स्पष्ट है किउच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता का मध्यमान 82.45 तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग का मध्यमान 79.97 प्राप्त हुआ है तथा सहसंबंध गुणांक –0.11 प्राप्त हुआ है। अतः स्पष्ट है किउच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता एवं स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग के मध्य अति निम्न ऋणात्मक सहसंबंध है।

सारणी : 2

उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों की भावनात्मक परिपक्वता तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया जाता।

समूह	चर	समूह संख्या	मध्यमान	सहसंबंध गुणांक
उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र	भावनात्मक परिपक्वता	80	79.16	–0.182
	स्मार्ट मोबाइल फोन का उपयोग	80	84.36	

सारणी 2 के अवलोकन से स्पष्ट है किउच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों की भावनात्मक परिपक्वता का मध्यमान 79.16 तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग का मध्यमान 84. 36 पाया गया है तथा सहसंबंध गुणांक –0.182 प्राप्त हुआ है। अतः स्पष्ट है किउच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों की भावनात्मक परिपक्वता एवं स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग के मध्य अति निम्न ऋणात्मक सहसंबंध है।

सारणी : 3

उच्च माध्यमिक स्तर की छात्राओं की भावनात्मक परिपक्वता तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया जाता।

समूह	चर	समूह संख्या	मध्यमान	सहसंबंध गुणांक
उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र	भावनात्मक परिपक्वता	80	80.45	−0.112
	स्मार्ट मोबाइल फोन का उपयोग	80	81.40	

सारणी 3 के अवलोकन से स्पष्ट है किउच्च माध्यमिक स्तर कीछात्राओं की भावनात्मक परिपक्वता का मध्यमान 79.16 तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग का मध्यमान 84.36 पाया गया है तथा सहसंबंध गुणांक −0.112 प्राप्त हुआ है। अतः स्पष्ट है किउच्च माध्यमिक स्तर की छात्राओं की भावनात्मक परिपक्वता एवं स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग के मध्य अति निम्न ऋणात्मक सहसंबंध है।

अध्ययन की सीमाएँ

- प्रस्तुत अध्ययन केवल जयपुर जिले तक ही सीमित है।
- प्रस्तुत अध्ययन में कक्षा – 11 के केवल 160 विद्यार्थियों (80 छात्र व 80 छात्राएँ) को ही न्यादर्श के रूपम` ंचुना गया है।
- अध्ययन में केवल सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को ही लिया गया है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन में जयपुर जिले के उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा – 11) के विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करने के पश्चात् यह निष्कर्ष पाया गया कि उच्च माध्यमिक स्तर के

विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता तथा स्मार्ट मोबाइल फोन के उपयोग के मध्य निम्न ऋणात्मक सहसंबंध है। अर्थात् जैसे–जैसे स्मार्ट मोबाइल फोन का उपयोग बढ़ता है वैसे–वैसे विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता में कमी होती है। अतः स्मार्ट मोबाइल फोन का उपयोग अधिक करने से विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता नकारातमक रूप से प्रभावित होती है।

संदर्भ सूची

- सिंह, सरिता तथा डॉ. शैलबाला (2024). उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भावनात्मक परिपक्वता पर सोशल मीडिया के प्रभाव. *International Journal for multidisciplinary research*, 6(3).
- अग्रसेन (2020). अ स्टडी ऑफ द इमोशनल मैच्योरिटी एण्ड पर्सनेलिटी ऑफ स्टूडेन्सट यूजिंग इन्टरनेट इन सीनियर सैकण्डरी स्कूल्स. http://hdl.handle.net/10603/312164
- शफीक, निरवत, यास्मीन एवं तकीब, (2015). कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ इमोशनल मैच्योरिटी ऑफ सैकण्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स इन रिलेशन टू एकेडमिक अचीवमेन्ट. *Valley International Journals The International Journal of Social Sciences and Humanities Invention*, 2(6), 1437-1444.
- स्मार्टफोन की बढ़ती लत. http://mental healthecare.in.?P=257.
- भटनागर, सुरेश (2001). *अधिगम एवं विकास के मनो–सामाजिक आधार.* मेरठ : इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस।